Patrika (Indore), 30th August 2020, *Patrika Zoom*, Page-1

एजुकेशन

संस्कृत की समझ एवं कौशल विकसित करना है लक्ष्य

आइआइटी ने शास्त्रीय वैज्ञानिक ग्रंथों को समझाने के लिए शुरू किया नया पाठ्यक्रम

ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी(आईआईटी) इंदौर ने शास्त्रीय वैज्ञानिक ग्रंथों का उनके मूल रूप में अध्ययन करने और उनके बारे में समझाने के लिए, एक नए पाठ्यक्रम का संचालन किया है।

22 अगस्त से 2 अक्टूबर तक चलने वाले पाठ्यक्रम को दो भागों में विभाजित किया गया है। पहले भाग का मुख्य लक्ष्य प्रतिभागियों को संस्कृत समझने के लिए कौशल और आत्मविश्वास विकसित करना है। यह उन लोगों के लिए है जिन्हें संस्कृत का पूर्व ज्ञान नहीं है। वहीं दूसरे भाग का उद्देश्य प्रतिभागियों को संस्कृत में तकनीकी विषयों पर चर्चा करने में सक्षम बनाना है। इस भाग में जाने-माने विशेषज्ञों द्वारा शास्त्रीय गणित के पाठ व्याख्यान शामिल होंगे। व्याख्यान के बाद, एक संस्कृत भाषा विशेषज्ञ द्वारा संस्कृत में एक चर्चा होगी। पाठ्यक्रम पूर्ण करने के प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए सभी प्रतिभागियों को सुविधाजनक चर्चा में भाग लेना अनिवार्य होगा। पाठ्यक्रम के स्तर 2 भाग के लिए प्रतिभागियों की तैयारी का मूल्यांकन करने के लिए एक योग्यता परीक्षा आयोजित की जाएगी।

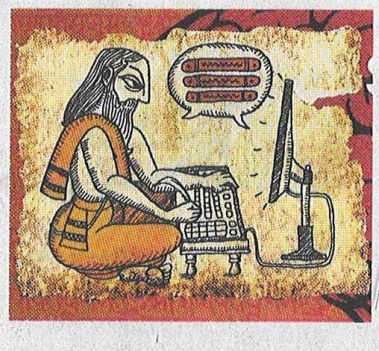

अधिकांश पारम्परिक ग्रंथों की मूल भाषा संस्कृत

आईआईटी इंदौर में बायोसाइंसेज एंड बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में प्रोफेसर डॉ. जीएस मूर्ति पाठ्यक्रम के समन्वयक हैं। उन्होंने कहा, अधिकांश पारंपरिक इंडिक वैज्ञानिक ग्रंथ, जैसे कि स्थायी जल संसाधन प्रबंधन, कृषि, गणित, धातु विज्ञान, खगोल विज्ञान, चिकित्सा, पादप विज्ञान, आर्थिक और राजनीतिक ग्रंथों जैसे अस्त्र शास्त्र, सभी संस्कृत में हैं। इसलिए, इन ग्रंथों के अध्ययन के लिए संस्कृत को समझना, भारत की वैज्ञानिक विरासत को संरक्षित करने और आगे बढ़ाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को उनके मूल रूप में शास्त्रीय वैज्ञानिक ग्रंथों का अध्ययन करने और उनके बारे में संस्कृत में समझाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में भी संस्कृत

प्रो. नीलेश कुमार जैन, निदेशक (कार्यवाहक) ने इस कोर्स का उद्घाटन किया और कहा कि संस्कृत एक प्राचीन भाषा है जो अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अपना स्थान बना रही है और भविष्य की भाषा भी बनेगी। मुझे बहुत खुशी है कि हमने इस भाषा के साथ लोगों को केवल एक शौक के रूप में ही नहीं, बल्कि एक आवश्यकता के रूप में फिर से जोड़ने की पहल की है, क्योंकि यह पाठ्यक्रम संस्कृत में तकनीक सिखाता है।